संख्या-159/2023/1795/22-2-2022-17(1688)/2022

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 21 अप्रैल, 2023

विषय:- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अहसान पुत्र श्री अहमद हसन, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की फार्म-ए/लाइसेन्स के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं उ0प्र0, लखनऊ के पत्र संख्या-21667/प्रोबेशन-3-फार्म-ए/(एम-07-06-2022) दिनांक-04-07-2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अहसान पुत्र श्री अहमद हसन, जो ग्राम-पटौली, थाना-भोपा, जनपद- मुजफ्फरनगर का निवासी है। बन्दी ने दिनांक 31.10.2006 को अपने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर फिरौती के उद्देश्य से वादी व उसके भाई गोपाल का अपहरण कर लिया तथा वादी को पैसा लाने के लिए मुक्त कर रूपये न लाने पर भाई गोपाल की हत्या की धमकी दी। पुलिस कार्यवाही में गोपाल को मुक्त कराया गया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-339/2007 में भा0द0वि0 की धारा-364ए, 392, 411 में मा0 न्यायालय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय सं0-01, मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 18.04.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया एवं सत्र परीक्षण संख्या-342/2007 में धारा-25ए एक्ट में मा0 न्यायालय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुजफ्फरनगर के आदेश द्वारा 01 वर्ष के कारावास तथा सत्र परीक्षण संख्या-14/2007 में धारा-3(1) गैं0 एक्ट में मा0 न्यायालय, ए0डी0जे0-05/विशेष न्यायाधीश (गैं0 एक्ट), मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 16.08.2016 द्वारा 05 वर्ष के कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 02.05.2022 तक 15 वर्ष, 06 माह की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 02 माह, 08 दिन की सपरिहार सजा पूरी कर ली है। जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुजफ्फरनगर द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी ने दिनांक 31.10.2006 को अपने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर फिरौती के उद्देश्य से वादी व उसके भाई गोपाल का अपहरण करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी के पुन: अपराध कारित करने की संभावना होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अहसान पुत्र श्री अहमद हसन को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अत: उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी अहसान (बन्दी संख्या-16868) पुत्र श्री अहमद हसन, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर को यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत फार्म-ए के आधार पर मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तद्नुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।
(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

संख्या-159/2023/1795(1)/22-2-2022 तद्दिनांक...

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-159/2023/1795/22-2-2022-17(1688)/2022

दिनांक 21 अप्रैल, 2023 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी अहसान पुत्र श्री अहमद हसन, जो ग्राम-पटौली, थाना-भोपा, जनपद-मुजफ्फरनगर का निवासी है। बन्दी ने दिनांक 31.10.2006 को अपने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर फिरौती के उद्देश्य से वादी व उसके भाई गोपाल का अपहरण कर लिया तथा वादी को पैसा लाने के लिए मुक्त कर रूपये न लाने पर भाई गोपाल की हत्या की धमकी दी। पुलिस कार्यवाही में गोपाल को मुक्त कराया गया। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-339/2007 में भा0द0वि0 की धारा-364ए, 392, 411 में मा0 न्यायालय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय सं0-01, मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 18.04.2009 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया एवं सत्र परीक्षण संख्या-342/2007 में धारा-25ए एक्ट में मा0 न्यायालय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुजफ्फरनगर के आदेश द्वारा 01 वर्ष के कारावास तथा सत्र परीक्षण संख्या-14/2007 में धारा-3(1) गैं0 एक्ट में मा0 न्यायालय, ए0डी0जे0-05/विशेष न्यायाधीश (गैं0 एक्ट), मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 16.08.2016 द्वारा 05 वर्ष के कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 02.05.2022 तक 15 वर्ष, 06 माह की अपरिहार सजा तथा 19 वर्ष, 02 माह, 08 दिन की सपरिहार सजा पूरी कर ली है। जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुजफ्फरनगर द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि बन्दी ने दिनांक 31.10.2006 को अपने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर फिरौती के उद्देश्य से वादी व उसके भाई गोपाल का अपहरण करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी के पुन: अपराध कारित करने की संभावना होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी अहसान पुत्र श्री अहमद हसन को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।